प्रकृति से बच्चों का रिश्ता कौतूहलपूर्ण, आत्मीय और भावात्मक होता है । जंगल, पहाड़, नदियां और बादल बच्चों के लिए रहस्य और कल्पना का अजस्त्र स्रोत हैं । यह कविता पहाड़ और बच्चों के ऐसे ही रिश्ते का आख्यान है जहां पहाड़ बच्चों के सपनों में भी शामिल है ।

पहाड़

❑ एकांत श्रीवास्तव

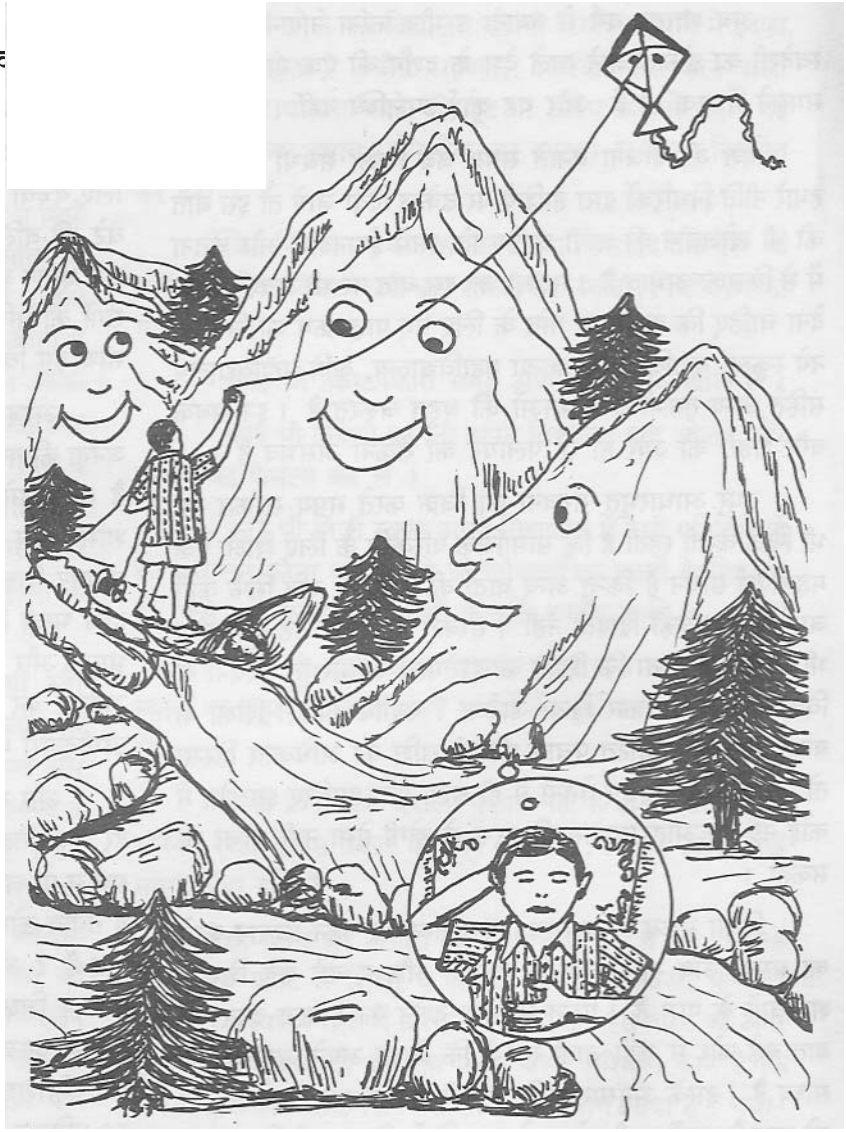

पहाड़
बच्चों के सबसे अच्छे दोस्त हैं
उनकी छोटी-छोटी इच्छाओं
और सपनों के लिए चिन्तित

छोटी-सी इच्छा है बच्चों की
कि वे पहाड़ के कंधे पर बैठकर
उड़ायें अपनी पतंगें

और आवाज दें
मीठे पानी की नदी को
कि वह उनके गांव के करीब से बहे

पहाड़ भर देते हैं
बच्चों की कमीज की जेबें
करौंदे और मीठे जामुन से

जब नींद में होते हैं बच्चे
केवल पहाड़ जाग रहे होते हैं
जंगली जानवरों की गुर्राहटों से
बच्चों के सपनों को
सुरक्षित रखने की चिन्ता में

चाहते हैं बच्चे
कि वे अपने सपनों में
पहाड़ों को बुलायें ।
जैसे बुलाते हैं उन्हें पहाड़
अपनी खुशबू, फल
और फूल देने के लिए

बहुत छोटे हैं बच्चे
बहुत छोटी है उनकी इच्छा
कि दुनिया पहाड़ की तरह सुन्दर हो
खुशबू से भरी
फलदार । ◆